



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 35] नई दिल्ली, शनिवार, 22 फरवरी, 1992/फाल्गुन 3, 1913
No. 35] NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 22, 1992/PHALGUNA 3, 1913

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

कार्मिक तथा प्रशिक्षण विभाग
नियम

नई दिल्ली, 22 फरवरी, 1992

सं. 10/1/92-के.से. (II):—कर्मचारी चयन आयोग द्वारा 1991 में
निम्नलिखित सेवाओं/पदों की अस्थायी रिक्तियों में नियुक्ति के लिए
आयोजित की जाने वाली आशुलिपिक ग्रेड 'ग' परीक्षा, 1991 के नियम
आम आनकारी के लिए, प्रकाशित किए जाते हैं:—

- (1) भारतीय विदेश सेवा (ख)—(आशुलिपि संवर्ग का ग्रेड 2)
- (2) रेलवे बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा ग्रेड-ग (उक्त ग्रेड की
चयन सूची में सम्मिलित करने हेतु)
- (3) केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा ग्रेड-ग (इस ग्रेड का चयन
सूची में सम्मिलित करने के लिए)
- (4) सशस्त्र सेना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा ग्रेड-ग, और
- (5) भारत सरकार के कुछ अन्य विभाग/संगठनों तथा संबद्ध
कार्यालयों में आशुलिपिक के पद जो भारतीय विदेश सेवा—
(ख) रेल बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा/केन्द्रीय सचिवालय

आशुलिपिक सेवा/सशस्त्र सेना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा में
सम्मिलित नहीं है।

1. उपर्युक्त सेवाओं/पदों में से किसी एक या एक से अधिक
सेवा संबंधित परीक्षा में प्रवेश के लिए कोई भी उम्मीदवार आवेदन कर
सकता है। वह इनमें से जिनती सेवाओं/पदों के लिए विचार किए जाने
का इच्छुक है उनका उल्लेख अपने आवेदन पत्र में कर सकता है।

टिप्पणी 1 : उम्मीदवारों को चाहिए कि वे जिन सेवाओं/पदों के लिए विचार
किए जाने के इच्छुक हों उनका बरीयता क्रम स्पष्ट रूप से लिख दें।

उम्मीदवारों द्वारा निविष्ट उन सेवाओं/पदों के बरीयता क्रम में
परिवर्तन के संबंध में किसी अनुरोध पर तब तक विचार नहीं किया
जाएगा जब तक ऐसा अनुरोध रोजगार समाचार में लिखित परीक्षा
परिणामों के प्रकाशन की तारीख से 30 दिन के अन्दर कर्मचारी चयन
आयोग के कार्यालय में प्राप्त नहीं हो जाता।

टिप्पणी 2 : इस परीक्षा के माध्यम से भर्ती करने वाले कुछ विभागों/
कार्यालयों को केवल अंग्रेजी आशुलिपिकों की ही आवश्यकता
होगी और इस परीक्षा के परिणामों के आधार पर नियुक्ति केवल
उन्हीं उम्मीदवारों में से की जाएगी जिन्हें लिखित परीक्षा तथा

अंग्रेजी के आणुलिपिक परीक्षण के आधार पर आयोग द्वारा अनुसूचित किया जाता है (दृष्टव्य: नियमावली के परिशिष्ट 1 का पैरा 4)।

2. परीक्षा के परिणामों के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या बाद में निर्धारित की जाएगी। अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों के लिए पक्ष सरकार द्वारा निश्चित रिक्तियों को देखते हुए आरक्षित रखे जाएंगे।

3. कर्मचारी चयन आयोग द्वारा यह परीक्षा इन नियमों के परिशिष्ट 1 में निर्धारित ढंग से भी जाएगी।

परीक्षा की तारीख और स्थान आयोग द्वारा निर्धारित किए जाएंगे।

4. उम्मीदवार को या तो :—

- (क) भारत का नागरिक होना चाहिए, या
- (ख) नेपाल की प्रजा, या
- (ग) भूटान की प्रजा, या
- (घ) ऐसा निम्नलिखित शरणार्थी जो भारत में स्थायी रूप से रहने के इरादे से पहली जनवरी, 1962 से पहले भारत आ गया हो, या
- (ङ) कोई भारत मूल का व्यक्ति जो भारत में स्थायी रूप से रहने के इरादे से बर्मा और श्रीलंका से आया हो।

परन्तु (ख), (ग), (घ) और (ङ) वर्गों के अन्तर्गत आने वाले उम्मीदवार के पास भारत सरकार द्वारा जारी किया गया पात्रता (एलिजिबिलिटी) प्रमाण पत्र होना चाहिए।

परन्तु यह शर्त और कि उपर्युक्त (ख), (ग) और (घ) के वर्गों के उम्मीदवार भारतीय विदेश सेवा (ख)—आणुलिपिक संवर्ग का ग्रेड (II) से नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होंगे।

(ii) परीक्षा में ऐसे उम्मीदवार को भी जिसके लिए पात्रता प्रमाणपत्र आवश्यक हो, परीक्षा में बैठने दिया जा सकता है परन्तु उसे नियुक्ति प्रस्ताव भारत सरकार द्वारा आवश्यक प्रमाण पत्र दिए जाने पर ही दिया जाएगा।

5. (क) इस परीक्षा में प्रवेश के लिए यह आवश्यक है कि उम्मीदवार की आयु 1 अगस्त, 1991 को पूरे 18 वर्ष की हो गई हो किन्तु उसकी आयु पूरे 25 वर्ष न हुई हो, अर्थात् उसका जन्म 2 अगस्त, 1966 से पहले और 1 अगस्त, 1973 के बाद का न हो।

टिप्पणी : 1. उम्मीदवार ध्यान दें कि आयोग द्वारा आवेदन पत्र जमा करने की तारीख को दसवीं/सिकेण्डरी परीक्षा प्रमाण पत्र अथवा समतुल्य प्रमाण पत्र में दर्ज जन्म तिथि ही स्वीकार की जायेगी और इसके बाद परिवर्तन के लिए किसी अनुरोध पर विचार अथवा उसे स्वीकार नहीं किया जाएगा।

(ख) उन व्यक्तियों के संबंध में ऊपरी आयु सीमा में 35 वर्ष की आयु तक छूट दी जा सकती है जो संघ राज्य क्षेत्रों के प्रशासकों अथवा निश्चित आयोग तथा केन्द्रीय सतर्कता आयोग और लोक सभा/राज्य सभा सचिवालय के अधीन व्यक्तियों सहित, भारत सरकार के विभिन्न विभागों/कार्यालयों में आणुलिपिक (जिनमें भाषा आणुलिपिक भी शामिल है), लिपिक/आणुलिपिकों के पदों पर नियमित रूप से नियुक्त हैं और 1 अगस्त, 1991 को जिन्होंने आणुलिपिक (भाषा आणुलिपिक सहित लिपिकों/आणुलिपिकों) के रूप में कम से कम तीन वर्ष निरन्तर सेवा की हो तथा उक्त पदों पर अभी तक काम कर रहे हों।

परन्तु उपर्युक्त आयु संबंधी छूट उन व्यक्तियों को नहीं दी जाएगी जो संघ लोक सेवा आयोग और कर्मचारी चयन आयोग द्वारा पहले

नी गई परीक्षाओं के आधार पर नियुक्ति के लिए किसी भी आणुलिपिकों के रूप में नियुक्त किए जा चुके हैं।

- (1) केन्द्रीय सचिवालय आणुलिपिक सेवा ग्रेड-ग, या
- (2) रेलवे बोर्ड सचिवालय आणुलिपिक सेवा ग्रेड-ग, या
- (3) भारतीय विदेश सेवा (ख) आणुलिपिक संवर्ग का ग्रेड (II), या
- (4) सशस्त्र सेना मुख्यालय आणुलिपिक सेवा (ग्रेड-ग)।

टिप्पणी : 1. डाक व तार विभाग के अधीनस्थ कार्यालयों में नियुक्त रेल डाक स्टेशनारों द्वारा की गई सेवा उपर्युक्त नियम 5(ख) के प्रयोजन के लिए लिपिक के ग्रेड में दी गई सेवा माना जाएगा।

टिप्पणी : 2. रक्षा प्रतिष्ठानों में नियुक्त सेवा लिपिकों द्वारा की गई सेवा उपर्युक्त नियम 5(ख) के प्रयोजन के लिए नहीं गिनी जाएगी।

(ग) ऊपर बताई गई अधिकतम आयु सीमा में निम्नलिखित मामलों में और ढील दी जा सकेगी :

- (1) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो तो अधिक से अधिक 5 वर्ष तक।
- (2) यदि उम्मीदवार श्रीलंका से वास्तविक प्रत्यावातित या प्रत्यावर्तित होने वाला भारत मूल का व्यक्ति हो और अक्टूबर, 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद उम्मीदवार भारत में प्रवांजन किया हो या करने वाला हो तो अधिक से अधिक 3 वर्ष तक (अनु. जाति/अनु.ज. जाति के उम्मीदवारों के लिए 8 वर्ष)।
- (3) किसी दूसरे देश के साथ संघर्ष में या किसी अशान्तिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्यवाही के दौरान विकलांग होने के फलस्वरूप सेवा से मुक्त किए गए रक्षा कर्मियों को अधिक से अधिक तीन वर्ष तक (अनु. जाति/अनु.ज. जाति के उम्मीदवारों के लिए 8 वर्ष)।
- (4) जिन भूतपूर्व सैनिकों और कमीशन प्राप्त अधिकारियों (आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/एस.एस.ओ./अल्पकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों सहित) ने पहली अगस्त, 1991 को कम से कम पांच वर्ष (अनु. जाति तथा अनु.ज. जाति के उम्मीदवारों के लिए 10 वर्ष) की सैनिक सेवा की है और जिन्हें (i) सेवा पूरी होने पर, जिनमें वे अधिकारी भी शामिल हैं जिनकी सेवा (अंतिम तारीख अर्थात् 23-3-92) में एक वर्ष के भीतर पूरी होने वाली है अथवा अन्यथा जो कदाचार या अदक्षता या अक्षमता के आधार पर या (ii) सैनिक सेवा से हुई शारीरिक अप्रगता अथवा (iii) अक्षमता के कारण कार्यमुक्त न होकर अन्य कारणों से बर्खास्त अथवा कार्यमुक्त हुए हैं उनके मामले में अधिक से अधिक पांच वर्ष तक।
- (5) आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा कमीशन प्राप्त उन अधिकारियों के मामले में जिन्होंने पहली अगस्त, 1992 को सैनिक सेवा के 5 वर्ष की सेवा (अनु. जाति/अनु.ज. जाति के उम्मीदवारों के लिए 10 वर्ष) की प्रारंभिक अवधि पूरी कर ली है और जिनका कार्यकाल 5 वर्ष से आगे भी बढ़ाया गया है तथा जिनके मामले में रक्षा मंत्रालय एक प्रमाण पत्र जारी करता है कि वे निश्चित रोजगार के लिए आवेदन कर सकते हैं और चयन होने पर नियुक्ति प्रस्ताव प्राप्त होने की तारीख से तीन माह के नोटिस पर उन्हें कार्यभार से मुक्त किया जायेगा।

(४) जो उम्मीदवार कुष्ठ या ईराक से वास्तविक प्रत्यावर्तित भारत मूलक है और 15 मई, 1990 के बाद लेकिन 22 नवम्बर, 1991 से पहले उसने भारत में प्रव्रजन किया है तो अधिक से अधिक आयु 45 वर्ष तक।

टिप्पणी: 1. भूतपूर्व सैनिक, जो भूतपूर्व सैनिकों को पुनर्निर्माण के लिए जाने वाली सुविधाएं प्राप्त करने में हो मित्रित क्षेत्र में सरकार सेवा में कार्यरत हैं। वे उम्मीदवार नियमावली के नियम 5 (ग) (iv) और 5(घ) (v) के अधीन आयु सीमा में छूट पाने के पात्र नहीं हैं।

टिप्पणी 2. आयु-सीमा से छूट संबंधी सुविधाएं प्राप्त करने के प्रयोजन के लिए सब को तीनों गणस्थ सेनाओं के किसी सैनिक को भूतपूर्व सैनिक माने जाने के लिए उसे किसी पद/विधा के लिए आता संश्लेषित प्रस्तुत करने के समय भूतपूर्व सैनिक का पहले ही रार अर्जित कर दिया जाना चाहिए और/अथवा वह सक्षम प्राधिकारी से वास्तविकी सक्षम द्वारा अपनी इस आशय का पत्रता को सुस्थापित करने की स्थिति में हो कि एक वर्ष के भीतर अपनी निवृत्ति की निश्चित अवधि पूरा हो जाने पर उसे गणस्थ सेनाओं में अपनी निवृत्ति पूर्ण होने पर अंतिम तारीख (अर्थात् 23-3-92 से) कार्यभार कर दिया जाएगा। इस संबंध में उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण पत्र का फार्म/परिचयन अनुबंध I तथा II में दिया जाता है।

उपर दी गई व्यवस्था को छोड़कर निर्धारित आयु-सीमा में किसी भी मामले में छूट नहीं दी जा सकती।

(i) जिस उम्मीदवार को उम्मीदवार नियम 5(ग) में उल्लिखित आयु सीमा छूट के अंतर्गत परीक्षा में प्रवेश दे दिया गया हो उसकी उम्मीदवारों रद्द कर दी जाएगी यदि आवेदन पत्र भेजने के बाद वह परीक्षा में पहले या परीक्षा देने के बाद सेवा में स्थान पत्र दे देता है या विनाश द्वारा उसका सेवाएं समाप्त कर दी जाती है। किन्तु आवेदन पत्र भेजने के बाद यदि उसकी सेवा या पद में छूटने हो जाती है तो वह पात्र बना रहेगा।

(ii) ऐसा आनुवंशिक (भाषा आनुवंशिक सहित) निपिक/आनुवंशिक जो गलत प्राधिकारी के अनुमोदन से सर्वोच्च आदेश पदों पर प्रतिनियुक्ति पर है अथवा जिसे किसी अन्य पद पर स्थानांतरित कर दिया गया है परन्तु उसका भ्रष्टाचारिक उन पर है जिससे वह स्थानांतरित किया गया था यदि वह अथवा पात्र है तो परीक्षा में बैठने का पात्र होगा।

6. उम्मीदवारों ने भारत के केन्द्र या राज्य विज्ञान मंडल के किसी अधिनियम द्वारा नियमित किसी विश्वविद्यालय की सैद्धिक परीक्षा अवश्य पास की हो अथवा उनके पास किसी राज्य के शिक्षा बोर्ड द्वारा माध्यमिक स्कूल कार्य के अंत में स्कूल लाइव, माध्यमिक स्कूल, हाई स्कूल परीक्षा, या कोई और प्रमाण पत्र हो जो राज्य सरकार को नकारी में प्रवेश के लिए सैद्धिक के प्रमाण पत्र के समकक्ष हो।

टिप्पणी: कोई भी उम्मीदवार जिसने ऐसा कोई परीक्षा दे दी है जिसके पास करने पर वह आयु की परीक्षा के लिए शैक्षिक रूप से पात्र होगा परन्तु उसे परीक्षा फल का सूचना नहीं मिली है तथा ऐसा उम्मीदवार जो ऐसा अधिक परीक्षा में बैठने का इच्छुक है, आयु की परीक्षा में प्रवेश पाने का पात्र नहीं होगा।

7. उन सभी उम्मीदवारों को जो पहले से सरकारी नौकरा में आकस्मिक या दैनिक वर कार्यकारी से हटा रखा है या अस्थायी हैसियत से या कार्य प्रभारित कार्यकारी की हैसियत से काम कर रहे हैं या जो लोक उपायों में सेवारत हैं तो वह परिवर्तन (अंशिक) प्रस्तुत करना होगा कि उन्होंने लिखित रूप से अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष को सूचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिए आवेदन किया है।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि यदि आयु की उनके नियुक्ति से उनकी उम्मीदवारों के लिए आवेदन करने/परीक्षा में बैठने के संबंध में अनुमति रोकने हुए कोई पत्र मिला है तो उसका आवेदन पत्र अस्वीकृत कर दिया जाएगा/उसका उम्मीदवारों रद्द कर दी जाएगी।

8. परीक्षा में बैठने के लिए उम्मीदवार को पात्रता या आप्रयता के बारे में आयु की निर्णय अंतिम होगा।

9. किसी उम्मीदवार को परीक्षा में तब तक नहीं बैठने दिया जाएगा जब तक कि उनके पास आयु का प्रवेश प्रमाण पत्र (सर्टिफिकेट ऑफ एजमिनेशन) न हो।

10. उम्मीदवारों को आयु के नोटिस के पैरा 11 में निर्धारित फार्म देने होंगे।

11. जिस उम्मीदवार ने:-

1. किसी भी प्रकार से अपनी उम्मीदवारों के लिए गमर्न प्राप्त किया है, अथवा
2. नाम बदल कर परीक्षा दी है, अथवा
3. किसी अन्य व्यक्ति में छुप कर या कार्य पाला कराया है, अथवा
4. अपनी दस्तावेज या ऐसे दस्तावेज प्रस्तुत किए हैं जिनमें तथ्यों को बिना धाया हो, अथवा
5. गलत या झूठे दस्तावेज दिए हैं या किसी महत्वपूर्ण तथ्य को छिपाया है, अथवा
6. परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए किसी अन्य अनियमित अथवा अनुचित उपायों का सहारा लिया है, अथवा
7. परीक्षा के समय अनुचित साधनों का प्रयोग किया हो, अथवा
8. उत्तर पुस्तिकाओं पर अस्वीकृत जाने लिखें हों जो अस्वीकृत भाषा में या अस्वीकृत भाषा की हों, या
9. परीक्षा सत्र में और किसी प्रकार का व्यवहार किया हो, या
10. परीक्षाएं चलाने के लिए आयु की द्वारा नियुक्त कार्यकारी को परेशान किया हो या अन्य किसी प्रकार को शारीरिक क्षति पहुंचाई हो, या
11. परीक्षा के दौरान परीक्षा सत्र से प्रश्न पुस्तिकाओं/उत्तर शीट/आवृत्ति अलेख को ले जाता या अप्राधिकृत व्यक्ति/व्यक्तियों को देता, या
12. उम्मीदवारों को परीक्षा देने की अनुमति देने हुए प्रेषित प्रवेश प्रमाण-पत्र के साथ जाते किसी अनुदेश का उल्लंघन किया हो, या
13. उपर्युक्त सत्रों में उल्लिखित सभी अथवा किसी भी कार्य के द्वारा आयु को अप्रतिष्ठ करने का प्रयत्न किया हो तो उन पर आपराधिक अतिवृत्ति (क्रिमिनल प्रोसेक्यूशन) चलाया जा सकता है और इसके साथ ही उसे:-

(क) आयु की द्वारा उन परीक्षा में जगता वह उम्मीदवार है, बैठने के लिए अप्रतिष्ठ रहता जा सकता है, अथवा

(ख) उसे अथवा स्वयं से अथवा एक विशेष अवधि के लिए

(i) आयु की द्वारा ला जाने वाली किसी भी परीक्षा अथवा चयन के लिए

(ii) केन्द्रीय सरकार द्वारा उसके अंतर्गत किसी भी फ़र्म का नौकरी/सेवाएं, और

(iii) यदि वह सरकार के अधीन पहले से ही सेवा में है तो उसके विरुद्ध उपर्युक्त नियमों के अधीन अनुशासनिक कार्यवाही की जा सकती है।

किन्तु शर्त यह है कि इस नियम के अर्थात् कोई शास्त्र तब तक नहीं दी जाएगी जब तक—

- (1) उम्मीदवार को इस संबंध में लिखित अध्यावेदन जो वह देना चाहें, प्रस्तुत करने का अवसर न दिया गया हो, और
- (2) उम्मीदवार द्वारा अनुमति समग्र में प्रस्तुत अध्यावेदन पर, यदि कोई हो, विचार न कर लिया गया हो।

12. परीक्षा के बाद आयोग लिखित परीक्षा और आशुलिपि परीक्षा में उम्मीदवार के कुल प्राप्तिकों के आधार पर हिंदी और अंग्रेजी के आशुलिपियों के लिए योग्यता-क्रम के अनुसार अलग-अलग सूची तैयार करेगा और उस क्रम के अनुसार आयोग जितने भी उम्मीदवारों को अर्हता प्राप्त समझेगा, उनके नामों को हिंदी और अंग्रेजी आशुलिपियों की सूची में उल्लिखित करने के लिए और उप परीक्षा के परिणामों के आधार पर अनुसूचित रिक्तियों में पदों को भरने के लिए सिफारिश की जाएगी :

परन्तु शर्त यह है कि आयोग द्वारा अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवार को, जितनी रिक्तियाँ उनके लिए आरक्षित की गई हैं, उतनी ही संख्या में, मानक स्तर में कूट बेते हुए संस्तुत करे बगैरे कि वे उम्मीदवार जिस सेवा के लिए उनका चयन किया जा रहा है उसके लिए, योग्य पाए जाएँ :

परन्तु आगे यह शर्त है कि अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के वे उम्मीदवार जिनका इस उप नियम में उल्लिखित मानक स्तर में होल किए बिना ही आयोग द्वारा सिफारिश की गई हो, उन्हें अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित रिक्तियों पर नहीं लगाया जाए।

परीक्षा के अंतिम परिणाम की घोषणा के समय योग्यता क्रम में उनके स्थान को दृष्टिगत रखते हुए उनके द्वारा दी गई प्राथमिकता की यथायुक्त विचारार्थता रखा जाएगा।

जो उम्मीदवार 120 शब्द प्रति मिनट की गति में श्रुतलेख लेने के न्यूनतम अर्हता स्तर को पूरा करेंगे उनको 100 शब्द प्रति मिनट की गति से श्रुतलेख लेने के स्तर को पूरा करने वाले उम्मीदवारों से ऊपर रखा जाएगा, प्रत्येक श्रेणी में प्रत्येक उम्मीदवार को कुल प्राप्तिकों के आधार पर उनके योग्यताक्रम के अनुसार रखा जाएगा।

13. प्रत्येक उम्मीदवार को परीक्षा परिणाम की सूचना किस रूप में और किस प्रकार दी जाए इसका निर्णय आयोग स्वयं करेगा और आयोग परीक्षा परिणाम के बारे में उनमें कोई पत्र-व्यवहार नहीं करेगा।

14. परीक्षा में पास होने मात्र से नियुक्ति का अधिकार तब तक नहीं मिलता जब तक कि सरकार आवश्यक आँच के बाब संतुष्ट नहीं हो जाए कि उम्मीदवार चरित्र तथा पूर्ववृत्त को दृष्टि से सेवा में पद पर नियुक्ति के लिए हर प्रकार से योग्य है।

15. जिस व्यक्ति ने—

- (क) ऐसे व्यक्ति से विवाह या विवाह अनुबंध किया है जिसका जीवन पति/पत्नी पहले से है, या
- (ख) जीवित पति/पत्नी के रहते हुए किसी व्यक्ति से विवाह या विवाह अनुबंध किया है,

तो वह नियुक्ति के लिए पात्र नहीं माना जाएगा :

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से संतुष्ट हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति तथा विवाह सूत्र के दूसरे पक्ष पर लागू होने वाले वैयक्तिक कानून के अनुसार स्वीकार्य है और ऐसा करने के अन्य कारण भी हैं तो वह किसी भी व्यक्ति को इस नियम से छूट दे सकती है।

16. उम्मीदवार को मानसिक और शारीरिक दृष्टि से स्वस्थ होना चाहिए और उनमें कोई ऐसा शारीरिक दोष नहीं होना चाहिए जो

संबंधित सेवा/पद के अधिकारों के रूप में अपने पद के कुशलतापूर्ण निभाने में बाधक हो। यदि मजबूत अधिकारों द्वारा विहित डाक्टरों परीक्षा के बाद किसी उम्मीदवार के बारे में यह ज्ञात हुआ है कि वह इन शर्तों को पूरा नहीं कर सकता है तो उसकी नियुक्ति नहीं की जाएगी। केवल उन्हीं उम्मीदवारों की डाक्टरों परीक्षा की जाएगी जिनकी नियुक्ति के संबंध में विचार किये जाने की संभावना हो।

टिप्पणी :—भूतपूर्व रक्षा सेवा के विकलांग कर्मियों के संबंध में रक्षा सेवा के डिप्टी-सेल्फ-हिलेप मेडिकल बोर्ड द्वारा किया गया स्वास्थ्य प्रमाण पत्र नियुक्ति के लिए पर्याप्त समझा जाएगा।

17. इस परीक्षा के द्वारा जिस सेवा के लिए भर्ती की जा रही है उनका संक्षिप्त विवरण परिशिष्ट II में दिया गया है।

करतार सिंह, अवर सचिव

परिशिष्ट I

1. परीक्षा के विषय, प्रत्येक विषय के लिए दिया गया समय तथा पूर्णांक इस प्रकार होंगे:—

भाग क—लिखित परीक्षा

प्रश्न पत्र	विषय	अधिकतम अंक	दिया गया समय
प्रश्न पत्र I :—सामान्य परीक्षा			
(क) सामान्य अंग्रेजी	}	200	2 घंटे
(ख) सामान्य ज्ञान (वस्तुपरक)			
प्रश्न पत्र II : निबन्ध		100	2 घंटे

भाग ख : हिन्दी या अंग्रेजी में आशुलिपिक परीक्षा लिखित परीक्षा में उत्तीर्ण होने वाले के लिए 300 अंक।

टिप्पणी I : लिखित परीक्षा के प्रश्न पत्र II का मूल्यांकन उन्हीं उम्मीदवारों का किया जाएगा जिन्होंने प्रश्न पत्र I में न्यूनतम अर्हता अंक प्राप्त किए हों जो कि आयोग के द्वारा अपनी मर्जी से निर्धारित किए जाएंगे।

टिप्पणी II : उम्मीदवारों को अपने आशुलिपिक नोट टकण मशीन पर लिप्यंतर करने होंगे और इस प्रयोजन के लिए उन्हें अपनी टकण मशीन लाने होंगी।

टिप्पणी III : सामान्य अंग्रेजी और सामान्य ज्ञान के प्रश्न पत्रों में वस्तु परक प्रकार के प्रश्न होंगे।

3. लिखित परीक्षा के लिए पाठ्य विवरण तथा आशुलिपि परीक्षाओं की योजना इस परिशिष्ट की संलग्न अनुसूचियों के अनुसार होगी।

4. उम्मीदवार "निबन्ध" के प्रश्न पत्र (II) का उत्तर हिन्दी (देवनागरी लिपि) या अंग्रेजी में दे सकता है। यह विकल्प पूरे प्रश्न पत्र पर लागू होगा न कि उसके किसी भाग पर।

जिन उम्मीदवारों ने निबन्ध के प्रश्न पत्र का उत्तर देने के लिए हिन्दी (देवनागरी) का विकल्प दिया है यदि वे चाहें तो तकनीकी शब्दों को हिन्दी में लिखने के साथ उनका अंग्रेजी रूपान्तर कोष्ठकों में लिख दें।

जो उम्मीदवार उपर्युक्त प्रश्न पत्र के उत्तर हिन्दी (देवनागरी) में लिखने का विकल्प देंगे उन्हें आशुलिपि की परीक्षा भी केवल (देवनागरी) में ही देनी होगी और जो उम्मीदवार उपर्युक्त प्रश्न पत्र के उत्तर अंग्रेजी में लिखने का विकल्प देंगे उन्हें आशुलिपि की परीक्षा भी केवल अंग्रेजी में ही देनी होगी।

निबन्ध और सामान्य ज्ञान के प्रश्न पत्र (हिन्दी और अंग्रेजी) दोनों भाषाओं में तैयार किये जाएंगे।

टिप्पणी: 1—जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा में निबंध के प्रश्न (ii) का उत्तर तथा आशुलिपि परीक्षा हिन्दी (देवनागरी) में देने के इच्छुक हों तो यह विकल्प आवेदन पत्र के कागज 9 में लिखें अन्यथा यह माना जाएगा कि उम्मीदवार लिखित परीक्षा तथा आशुलिपि परीक्षा अंग्रेजी में देंगे।

एक बार दिया गया विकल्प अंतिम समझा जाएगा और उक्त कागज में कोई परिवर्तन करने का अनुरोध स्वीकार नहीं किया जाएगा।

यदि उम्मीदवार ने आवेदन प्रपत्र में निविष्ट माध्यम के अलावा अन्य माध्यम में परीक्षा दी है तो ऐस उम्मीदवारों के प्रश्न पत्र (पत्रों) का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।

टिप्पणी 2:—जो उम्मीदवार आशुलिपि परीक्षा हिन्दी में देने का विकल्प देंगे उन्हें अंग्रेजी आशुलिपि और जो आशुलिपि परीक्षा अंग्रेजी में देने का विकल्प देंगे उन्हें हिन्दी आशुलिपि निपुणता के बाद माँखनी होगी।

टिप्पणी 3—जो उम्मीदवार किसी विदेश में भारतीय मिशन पर परीक्षा देना चाहता है उसे विदेश स्थित किसी ऐसे भारतीय मिशन पर अपने खर्च पर स्टेनोग्राफी परीक्षण देना होगा जहाँ ऐसा परीक्षण करने की व्यवस्था सुलभ है।

5 लिखित परीक्षा का प्रश्न पत्र (i) का भाग (क) केवल अंग्रेजी में ही तैयार किया जाएगा। प्रश्न-1 का भाग (ख) द्विभाषी रूप में तैयार किया जाएगा।

6 उम्मीदवारों को सभी उत्तर अपने हाथ से लिखने होंगे। किसी भी हाथ में उत्तर लिखने के लिए अन्य व्यक्ति की सहायता की अनुमति नहीं दी जाएगी।

7 आयोग अपने निर्णय से परीक्षा के किसी एक या सभी विषयों के अर्हक अंक निर्धारित कर सकता है।

8. केवल उन्हीं उम्मीदवारों को आशुलिपि परीक्षा के लिए बुलाया जाएगा जो आयोग के विधेय के अनुसार न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करेंगे।

9. केवल सतही ज्ञान के लिए अंक नहीं दिए जाएंगे।

10. अस्पष्ट लिखावट के कारण लिखित विषयों में पूर्णकों में से 5 प्रतिशत तक अंक काट लिए जाएंगे।

11. विषय के प्रश्न पत्र की परीक्षा में कम से कम शब्दों में कमशः प्रसारण वंग से और ठीक-ठीक की गई भावार्थव्यक्ति को विशेष महत्व दिया जाएगा।

12. उम्मीदवारों को प्रश्न पत्रों के उत्तर लिखने समय भारतीय अंकों के अंतर्राष्ट्रीय रूप (अर्थात् 1, 2, 3, 4, 5, 6 आदि) का ही प्रयोग करना चाहिए।

अनुसूची

भाग—क

लिखित परीक्षा का स्तर और पाठ्य विवरण :

टिप्पणी:— भाग “क” के प्रश्न पत्रों का स्तर लगभग बही होगा जो किसी भारतीय विश्वविद्यालय की मेट्रिकुलेशन परीक्षा का होता है।

सामान्य अंग्रेजी:—यह प्रश्न पत्र इस ढंग से तैयार किया जाएगा कि इससे उम्मीदवार की अंग्रेजी व्याकरण और निबंध रचना के ज्ञान की तथा अंग्रेजी भाषा की समझने और शब्द अंग्रेजी लिखने की उनकी योग्यता की जांच हो जाए। इस प्रश्न पत्र में शब्दों में शुद्ध प्रयोग, सामान्य मुहावरा और अर्थ (सिरीजोस) ब्रह्मण्ड और इन्डायरेक्ट स्टाव आदि शामिल किए जा सकते हैं।

निबंध:—उम्मीदवारों को दो प्रकरणों पर निबंध लिखना होगा। विषय चुनने की छूट दी जाएगी। उनमें यह आशा की जाएगी कि वे अपने विचार व्यवस्थित रूप में निबंध के विषय के संबंध में ही सशक्त रूप में लिखेंगे। प्रभाव पूर्ण ढंग से तथा ठीक-ठीक भाव व्यक्त करने वालों को श्रेय दिया जाएगा।

सामान्य ज्ञान:—निम्नलिखित विषयों की थोड़ी बहुत जानकारी:—

भारत का संविधान, पंचवर्षीय योजनाएँ, भारतीय इतिहास और संस्कृति, भारत का सामान्य और प्राथमिक भूगोल, वर्तमान घटना क्रम, सामान्य विज्ञान और दिन प्रतिदिन नगर घटने वाली ऐसी बातें जिनकी जानकारी पढ़े लिखे व्यक्ति को होनी चाहिए। उम्मीदवारों के उत्तरों में यह प्रकट होना चाहिए कि उन्होंने प्रश्नों को अच्छी तरह से समझा है। उनके उत्तरों में किसी पाठ्य पुस्तक के व्योरेकार ज्ञान की अवस्था नहीं की जाती है।

भाग—ख

आशुलिपि परीक्षा योजना

आशुलिपि परीक्षाओं की योजना:—अंग्रेजी में आशुलिपि की परीक्षाओं में दो श्रुतलेख परीक्षाएँ होंगी। एक 120 शब्द प्रति मिनट की गति से सात मिनट के लिए और दूसरी 100 शब्द प्रति मिनट की गति से दस मिनट के लिए जो उम्मीदवार को क्रमशः 45 तथा 50 मिनटों में लिप्यंतर करने होंगे।

हिन्दी में आशुलिपि की परीक्षाओं में दो श्रुतलेख परीक्षाएँ होंगी एक 120 शब्द प्रति मिनट की गति से सात मिनट के लिए और दूसरी 100 शब्द प्रति मिनट की गति से दस मिनट के लिए जो उम्मीदवारों को क्रमशः 60 और 65 मिनटों में लिप्यंतर करने होंगे।

परिशिष्ट—II

उन सेवाओं/पदों से संबंधित संक्षिप्त विवरण जिनके लिए इस परीक्षा द्वारा भर्ती की जा रही है:—

(क) केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपि सेवा :

(ख) केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपि सेवा में इस समय निम्नलिखित ग्रेड हैं:—

निजी सचिव ग्रेड : रु. 3000-100-3500-125-4500-ग्रेड “क” तथा “ख” रु. 2000-60-2300-ब.रो.-75-3200-100-3500,

(बिलियत) :

सेट “ग” रु. 1640-60-2600-ब.रो.-75-2900।

सेट “घ” रु. 1200-30-1560-ब.रो.-40-2040

(2) उक्त सेवा के ग्रेड “ग” में नियुक्त व्यक्ति दो वर्ष तक परीक्षाधीन रहेंगे। इस अवधि के दौरान उन्हें सरकार द्वारा निर्धारित प्रशिक्षण प्राप्त करने पड़ सकते हैं और परीक्षाएँ देनी पड़ सकती हैं।

(3) परीक्षा की अवधि पूरी होने पर सरकार संबंधित व्यक्ति को उसके पद पर स्थायी कर सकती है या यदि उसका कार्य अथवा प्राचरण सरकार की राय में असंतोषजनक रहा हो तो उसे सेवा से निकाला जा सकता है या सरकार उसकी परीक्षा अवधि जितनी और बढ़ाना उचित समझे बढ़ा सकती है।

(4) सेवा के ग्रेड ग में भर्ती किए गए व्यक्तियों को केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपि सेवा योजना में भाग लेने वाले मंत्रालयों या कार्यालयों में भी किसी एक में नियुक्त कर दिया जाएगा। किन्तु उसकी किसी भी समय किसी भी ऐसे अन्य मंत्रालय या कार्यालय में बदली हो सकती है।

(5) सेवा के ग्रेड ग में भर्ती किए गए व्यक्ति इस संबंध में सदय-समय पर लागू नियमों के अनुसार अग्रगण्य उच्चतर ग्रेड में पदोन्नत किए जाने को पात्र होंगे।

(6) जिन लोगों की नियुक्ति सेवा के ग्रेड ग में उनके आने विकल्प के अनुसार की जाएगी उस नियुक्ति के पश्चात् भारतीय विदेश सेवा (ख) के सर्वांग प्रथमा रेल बोर्ड सचिवालय प्राणुलिपिक सेवा यात्रा में शामिल किसी पद पर स्थापित या नियुक्ति का दावा न कर सकेंगे।

ख—रेलवे बोर्ड सचिवालय प्राणुलिपिक सेवा —

(क) (1) रेलवे बोर्ड सचिवालय प्राणुलिपिक सेवा में इस समय निम्न ग्रेड है:—

ग्रेड "क" तथा "ख" (द्विवर्ती) : रु. 2000-60-2300-र.रो. - 75-3200-100-3500

ग्रेड "ग" : रु. 1640-60-2600-र.रो. 75-2900.

ग्रेड "घ" : रु. 1200-30-1560-र.रो. -40-2040

(2) उक्त सेवा के ग्रेड में भर्ती किये गये व्यक्ति दो वर्ष की परीक्षा पर होंगे। इस अवधि के दौरान उन्हें सरकार द्वारा निर्धारित प्रशिक्षण प्राप्त करने पड़ सकते हैं और परीक्षाएं देनी पड़ सकती हैं। परीक्षा की अवधि पूरी होने पर यदि उनमें से किसी का कार्य या आचरण सरकार की राय में असंतोषजनक रहा हो तो उसे सेवा से निकाला जा सकता है या सरकार उसकी परीक्षा अवधि जितनी और बढ़ाता उचित समझे बढ़ा सकती है।

3. भारतीय विदेश सेवा (शाखा-ख) प्राणुलिपिकों के सर्वांग से नियुक्त अधिकारी भारतीय विदेश सेवा शाखा "ख" (आर.गो.ए.पी.) नियमावली 1964 भारतीय विदेश सेवा (पी.एल.सी.ए.) नियमावली 1961 जो भारतीय विदेश सेवा "ख" के अधिकारियों पर लागू की गई है तथा वे अन्य नियम और आदेश जो भारत सरकार द्वारा उक्त पर लागू किए जाएं, द्वारा शासित होंगे।

4. भारतीय विदेश सेवा शाखा (ख) विदेश मंत्रालय और विदेश में भारतीय मिशनों तक ही सीमित है। इस सेवा में नियुक्त अधिकारी याणिम्य मंत्रालय की छोड़कर सामान्यतया अन्य मंत्रालयों में स्थानांतरित नहीं किए जा सकेंगे। परन्तु वे विशेषों में अन्य मंत्रालयों में निम्न पदों पर तथा अन्तर्राष्ट्रीय आयोगों में भी नियुक्त किए जा सकते हैं। वे भारत में तथा भारत के बाहर कहीं भी उन स्थानों सहित जहां परिवार का कोई भी सदस्य साथ नहीं रहता होता सेवा पर भेजे जा सकते हैं।

5. भारतीय विदेश सेवा (ख) के अधिकारियों को विदेश में उनके मूल वेतन के अनुरिक्त उक्त दर से विशेष भत्ता दिया जाएगा, जो संबंध देशों के निर्वाह खर्च आदि के आधार पर समय-समय पर स्वीकार किया जाए इसके अनुरिक्त भारतीय विदेश सेवा (ख) के अधिकारियों के लिए लागू भारतीय विदेश सेवा (पी.एल.सी.ए.) नियमावली, 1961 के अनुसार विदेश सेवा अवधि में निम्नलिखित रियायतें भी स्वीकार्य होंगी:—

- (1) सरकार द्वारा निर्धारित वेतनमान के अनुसार निःशुल्क सुमजित आवास।
- (2) महायता प्राप्त अधिकारी परिचर्या के अंतर्गत चिकित्सा परिचर्या सुविधाएं।
- (3) 6 और 22 वर्ष की आयु के बीच के अधिक से अधिक दो बच्चों के लिए जो भारत में पढ़ रहे हों अथवा एक बच्चा भारत तथा दूसरा विदेश में अधिकारी की तैनाती से उत्तर किसी अन्य देश में पढ़ रहा हो कतिपय वर्षों के अधीन वायु मार्ग द्वारा वापसी यात्रा व्यय। यदि सरकारी कर्मचारियों के भारत में शिक्षा प्राप्त कर रहे 6 और 22 वर्ष की आयु के बीच दो से अधिक बच्चे हैं तो उसे विदेश में अपने माता-पिता के पास यात्रा करने वाले दो बच्चों के बदले अपनी पत्नी की छुट्टियों के दौरान भारत भेजने का विकल्प होगा। ऐसे किसी मामले में सरकारी कर्मचारियों को पत्नी सस्ती से सस्ती उपलब्ध श्रेणी से वायु मार्ग द्वारा वापसी यात्रा व्यय की हकदार होगी।

(2) उक्त सेवा के ग्रेड "ग" में भर्ती किये गये व्यक्ति दो वर्ष की अवधि के लिये परीक्षाधीन रहेंगे। इस अवधि के दौरान उन्हें ऐसा प्रशिक्षण लेना पड़ेगा तथा ऐसी परीक्षा उत्तीर्ण करनी पड़ेगी जो सरकार समय-समय पर निर्धारित करें। परीक्षा अवधि के समाप्त होने पर यदि यह पाया गया कि सरकार की राय में उनमें से किसी भी व्यक्ति का कार्य या आचरण असंतोषजनक रहा है तो उसे सेवा मुक्त किया जा सकता है या उसकी परीक्षा की अवधि को सरकार द्वारा अतिरिक्त अवधि तक बढ़ाया जा सकता है।

(3) उक्त सेवा के ग्रेड "ग" में भर्ती किये गये व्यक्ति इस संबंध में समय-समय पर लागू नियमों के अनुसार अपने उक्त ग्रेड में पदानुक्ति के पात्र होंगे।

(ख) रेलवे बोर्ड सचिवालय प्राणुलिपिक सेवा रेल मंत्रालय तक ही सीमित है तथा केन्द्रीय सचिवालय प्राणुलिपिक सेवा की तरह कर्मचारियों का अन्य मंत्रालयों में स्थानांतरण नहीं होता है।

(ग) इन नियमों के अधीन भर्ती किये गये रेलवे बोर्ड प्राणुलिपिक सेवा के अधिकारी

(1) वेतन लाभ के पात्र होंगे तथा

(2) सेवा में आने की तारीख का निपूरा रेल कर्मचारियों पर लागू और अंशदायी राज्य रेल भविष्य निधि के अधीन उक्त निधि में अभिदान करेंगे।

(घ) रेलवे बोर्ड सचिवालय प्राणुलिपिक सेवा में नियुक्त उम्मीदवार रेलवे बोर्ड द्वारा समय-समय पर जारी किये गये आदेशों के अनुसार पास और विशेषाधिकार टिकट आदेश का हकदार होगा।

(ङ) जहां तक अवकाश तथा सेवा की अन्य शर्तों का संबंध है, रेलवे बोर्ड सचिवालय प्राणुलिपिक सम्मिलित स्टाफ के साथ वैसे ही बतवि किया जाता है जैसा कि रेलवे के अन्य स्टाफ में, फिक्ट चिकित्सा सुविधाओं के मामले में केन्द्रीय सरकार के अन्य कर्मचारियों पर लागू नियमों में शामिल होंगे जिनका मुख्यालय नई दिल्ली होगा।

ग. भारतीय विदेश सेवा (ख) प्राणुलिपिक सर्वांग का ग्रेड—II भारतीय विदेश सेवा (ख) प्राणुलिपिक सर्वांग में इस समय निम्नलिखित ग्रेड है:

चयन ग्रेड :

विवरण

ग्रेड I	रु. 2000-60-2300-र.रो. -75-3200-100-3500
ग्रेड II	रु. 1640-60-2600-र.रो. -75-2900
ग्रेड III	रु. 1200-30-1560-र.रो. 40-2040

प्राणुलिपिक सर्वांग के रु. 3000-100-3500-र.रो. -125-4500 के वेतनमान में नये ग्रेड के गठन की कार्यवाही चल रही है।

(4) सरकार द्वारा समय-समय पर निर्धारित दर से 5 से 18 वर्ष के अधिक से अधिक दो बच्चों का शिक्षा भत्ता।

(5) विहित नियमों और समय-समय पर सरकार द्वारा निश्चित दरों के अनुसार विदेश में सेवा करने के संबंध में मञ्जूरण भत्ता प्राप्त होगा।

(6) विहित नियमों के अनुसार अधिकारियों और उनके परिवारों को घर जाने की छुट्टी का यात्रा किया जा सकेगा।

6. केन्द्रीय सिविल सेवा (छट्टी) नियम, 1972 जो समय-समय पर संशोधित किए गए हैं, कतिपय संशोधनों के अंतर्गत इन सेवा के सदस्यों पर लागू होंगे। ये अधिकारी विदेश सेवा में केन्द्रीय सिविल सेवा (छट्टी) नियम, 1972 के अंतर्गत प्राप्त छुट्टियों के 50 प्रतिशत तक अनुरिक्त छुट्टी जमा कर सकेंगे।

7. उक्त अधिकारी जब भारत में होंगे, जो गुप्त ग्राहकों के हकदार होंगे, जो बराबर तथा एक समान स्तर के अन्य केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों के लिए प्राप्ति है।

8. भारतीय विदेश सेवा (व्हा) के अधिकारी सामान्य भविष्य निधि (केंद्रीय सेवाएं) नियमावली, 1960 जिसे समय-समय पर संशोधित किया गया है, तथा उसके अंतर्गत जारी किये गये आदेशों द्वारा शासित होंगे।

9. दूता सेवा में निष्का अधिकारी केंद्रीय सिविल सेवा (वैधानिक) नियमावली, 1972 जिसे समय-समय पर संशोधित किया गया है और उसके अंतर्गत जारी किये गये आदेशों के द्वारा शासित होंगे।

घ—सहाय्य सेवा मुख्यालय आशुलिपिक सेवा :

सहाय्य सेवा मुख्यालय आशुलिपिक सेवा में इस समय निम्नलिखित ग्रेड हैं—

आशुलिपिक

ग्रेड "क" एवं "ख" (बिलियन) रु. 2000-60-2300-द.रो - 75-3200-100-3500।

ग्रेड "ग": रु. 1640-60-2600-द.रो.-75-2900।

ग्रेड "घ": रु. 1200-30-1500-द.रो.-40-2040।

2. अस्थायी आशुलिपिक ग्रेड "ग" (वैयक्तिक सहायक) के रूप में कार्य करने वाले व्यक्ति दो वर्ष तक परीक्षाधीन रहेंगे। इस अवधि में यदि धर्मनोपजनक सेवा अधिलेख रहा, तो परीक्षाधीन व्यक्ति को सेवा से निकाला जा सकता है। परीक्षाधीन अवधि में उन्हें समय-समय पर सरकार द्वारा निर्धारित प्रशिक्षण प्राप्त करने पड़ सकते हैं और परीक्षाएं देनी पड़ सकती हैं।

3. सहाय्य सेवा मुख्यालय आशुलिपिक सेवा में भर्ती किया गया ग्रेड-ग का आशुलिपिक सामान्यतः सहाय्य सेवा मुख्यालय और दिल्ली/नई दिल्ली स्थित अंतर सेवा संगठन के किसी कार्यालय में नियुक्त किया जाएगा। वह दिल्ली/नई दिल्ली के बाहर अन्य स्थानों पर भी नियुक्त किया जा सकता है जहाँ सहाय्य सेवा मुख्यालय अंतर सेवा संगठन के कार्यालय स्थित हों।

4. ग्रेड ग के आशुलिपिक ग्रेड ख (वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक) के पदों पर पदोन्नति के लिए पात्र होंगे और ग्रेड ख आशुलिपिक (वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक) समय-समय पर लागू किए गए नियमों के अनुसार ग्रेड क के आशुलिपिक (निजी सचिव) के रूप में पदोन्नति के पात्र होंगे।

5. छुट्टी, चिकित्सा सहायता और सेवा की अन्य शर्तें वही हैं जो सहाय्य सेवा मुख्यालय और अंतर सेवा संगठनों अन्य लिपिकवर्गीय कर्मचारियों के लिए लागू है।

अनुबंध—I

उम्मीदवार द्वारा दिया जाने वाला वचन

मैंने इस बात की जानकारी है कि इस आवेदन पत्र में संशोधित भर्ती/परीक्षा के आधार पर यदि मेरा चयन हो जाता है तो उस स्थिति में मेरी नियुक्ति निवृत्ति प्राधिकारी को संतुष्ट कर सकने वाले इस आशय के दस्तावेजी प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने पर की जाएगी कि मुझे सहाय्य सेवाओं में विधिवत रूप से कार्यभार/संबाधित/सेवाभुक्त किया गया है और साथ ही समय-समय पर यथा-संशोधित केंद्रीय सिविल सेवा तथा पद नियमावली, 1979 में उल्लिखित भूतपूर्व सैनिक पुनर्नियोजन के अनुसार, भूतपूर्व सैनिकों को अनुसूचित प्रवृत्तियों का पात्र हूँ।

स्थान : उम्मीदवार के हस्ताक्षर
तारीख :

अनुबंध—II

कांवेनत व्यक्ति के प्रमाणपत्र के काम के लिए कृपया नियम पैरा 5(vi) के तहत टिप्पणी-II का देखें।

मैं एम्प्लॉयर्स यह प्रमाणित करता हूँ कि मेरे पास उपलब्ध सूचना के अनुसार संख्या
रेक नाम
तारीख का सहाय्य सेवा में अपना पदधारण की निदिष्ट अवधि पूरी करने वाला है।

स्थान : कर्माधिकार अधिकारी के हस्ताक्षर
दिनांक : कार्यालय मोल

DEPARTMENT OF PERSONNEL & TRAINING

RULES

New Delhi, the 22nd February 1992

No. 10/1/92-CS. II.—The rules for Grade 'C' Stenographers Examination, 1991 to be held by the Staff Selection Commission in 1992 for the purpose of filling temporary vacancies in the following services/posts are published for general information:—

- Indian Foreign Services (B) Grade II of the Stenographers Cadre;
- Railway Board Secretariat Stenographers' Service Grade 'C' (for inclusion in the Select List of the Grade);
- Central Secretariat Stenographers' Service Grade 'C' (for inclusion in the Select List of the Grade);
- Armed Forces Headquarters Stenographers' Service Grade C and
- Posts of Stenographer in other departments/organisations and Attached Offices of the Government of India not participating in the I.F.S. (B)/Railway Board Secretariat Stenographers' Service/Central Secretariat Stenographers' Service/Armed Forces Headquarters Stenographers' Service.

1. A candidate may apply for admission to the examination in respect of any one or more of the services/posts mentioned above. He may specify in his application as many of these Services/posts as he may wish to be considered for.

NOTE 1.—Candidates are required to specify clearly the order of preferences for the Services/posts, for which they wish to be considered. No request or alteration in the order of preferences for the Services/posts for which he is competing, would be considered from a candidate unless the request for such alteration is received in the office of the Staff Selection Commission within 30 days of the date of publication of the result of the written examination in the Employment News.

NOTE 2.—Some departments/offices of the Government of India making recruitment through this examination would require only English Stenographers and appointments to posts of Stenographers in these departments/offices on the results of this examination will be made only from amongst those who are recommended by the Commission on the basis of the Written Test and Shorthand Test in English (C.f. para 4 of Appendix 1 to the Rules).

2. The number of vacancies to be filled on the results of the examination will be determined later on. Reservations will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government.

3. The examination will be conducted by the Staff Selection Commission in the manner prescribed in Appendix I to the Rules. The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Commission.

4. (i) A candidate must be either;
 - (a) a citizen of India, or
 - (b) a subject of Nepal, or
 - (c) a subject of Bhutan, or
 - (d) a Tibetan refugee who came over to India before the 1st January, 1967 with the intention of permanently settling in India; or
 - (e) a person of Indian origin who was migrated from Burma and Sri Lanka with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (b), (c), (d) and (e) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

Provided further that candidates belonging to categories (b), (c) and (d) above will not be eligible for appointment to the Indian Foreign Service (B) (Grade II of the Stenographers' Cadre).

(ii) A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination but the offer of appointment may be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Government of India.

5(A) A candidate for admission to this examination must have attained the age of 18 years and must not have attained the age of 25 years on 1st August, 1991 i.e. he must have been born not earlier than 2nd August, 1966 and not later than 1st August, 1973.

NOTE.—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONLY THE DATE OF BIRTH AS RECORDED IN THE MATRICULATION/SECONDARY EXAMINATION CERTIFICATE OR ON EQUIVALENT CERTIFICATE ON THE DATE OF SUBMISSION OF APPLICATION WILL BE ACCEPTED BY THE COMMISSION AND NO SUBSEQUENT REQUEST FOR ITS CHANGE WILL BE CONSIDERED OR GRANTED.

(B) The upper age limit will be relaxable upto the age of 35 years in respect of persons who have been regularly appointed as Stenographers (including Language Stenographers/Clerks/Steno-typists in the various Departments/Offices of the Government of India including those under the Union Territories Administrations or in the offices of the Election Commission and the Central Vigilance Commission or in the Lok Sabha/Rajya Sabha Secretariat and have rendered not less than 3 years continuous service as Stenographer including language Stenographer/Clerks/Steno-Typist on 1st August, 1991 and continue to be so employed.

Provided that the above age relaxation will not be available to persons appointed as Stenographers on the basis of earlier examinations, held by the Union Public Service Commission and S.S.C. in :—

- (i) Central Secretariat Stenographers' Service Grade C, or
- (ii) Railway Board Secretariat Stenographers' Service Grade C, or
- (iii) Indian Foreign Service (B) Grade II of the Stenographers Cadre,
- (iv) Armed Forces Headquarters Stenographers (Service Grade C).

NOTE 1.—Service rendered by R.M.S., Sorters employed in Subordinate Offices of P & T Department, shall be treated as service rendered in the grade of clerks for purpose of Rule 5(B) above.

NOTE 2.—Service rendered by Service Clerks, employed in Defence installations, shall not be counted for the purpose of Rule 5(B) above.

(C) The upper age limit in all the above cases, will be further relaxable :—

- (i) Up to a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribes.
- (ii) Up to a maximum of three years (8 years for SC/ST candidates) if a candidate is a bonafide repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964.

riate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964.

- (iii) Up to a maximum of three years (8 years in the case of SC/ST candidate) in the case of Defence Service Personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof;
- (iv) Up to a maximum of five years (10 years for SC/ST candidates) in the case of ex-servicemen and commissioned Officers including FCOs/SSCOs who have rendered at least five years Military Service as on 1st August, 1991 and have been released (i) on completion of assignment including those whose assignment is due to be completed within one year from the closing date (i.e. 23rd March, 1992) otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or in-efficiency or (ii) on account of Physical disability attributable to Military Service or (iii) on invalidment.
- (v) Up to a maximum of five years (10 years for SC/ST Candidates) in the case of ECOs/SSCOs who have completed an initial period of assignment of five years of Military Service as on 1st August, 1991 and whose assignment has been extended beyond five years and in whose case the Ministry of Defence issues a certificate that they can apply for civil employment and they will be released on three months notice on selection from the date of receipt of offer of appointment.
- (vi) Up to a maximum age of 45 years to candidates who are bona fide repatriates of Indian Origin from Kuwait or Iraq and have migrated to India after 15th May, 1990 but before 22nd November, 1991;

NOTE I.—Ex-servicemen who have already joined Government job on the Civil side after availing of the benefits given to them as ex-serviceman for their re-employment, are not eligible to the age concession under Rule 5(c)(iv) and 5(c)(v) above.

NOTE II.—For any serviceman of the three Armed Forces of the Union to be treated as Ex-serviceman for the purpose of securing the benefits of age relaxation he must have already acquired, at the relevant time of submitting his application for the post/service the status of Ex-serviceman and/or is in a position to establish his acquired entitlement by documentary evidence from the competent authority that he would be discharged from the Armed Forces within the stipulated period of one year from the closing date (i.e. 23-3-92) on completion of his assignment. The form of certificate/undertaking to be submitted by the candidate in this connection is given in Annexures I & II.

SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE LIMITS PRESCRIBED ABOVE SHALL IN NO CASE BE RELAXED.

- (i) The candidature of a person who is admitted to the examination under the age concession mentioned in Rule 5(B) above shall be cancelled if after submitting the application he resigns from service or his services are terminated by his department either before or after taking the examination. He will, however, continue to be eligible if he is retrenched from the service or post after submitting his application.
- (ii) A Stenographer (including language Stenographer) Clerk/Steno-typist who is on deputation to an ex-cadre post with the approval of the competent authority or who is transferred to another post but retains lien on the post from which he is transferred will be eligible to be admitted to the examination if otherwise eligible.

6 Candidates must have passed the Matriculation examination of any University incorporated by an Act of the Central or State Legislature in India or an examination held by a State Education Board at the end of the Second-

any School Course, for the award of a School Leaving Secondary School, High School of any other Certificate which is accepted by the Government of that State as equivalent to Matriculation certificate for entry into services.

NOTE.—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him educationally qualified for the Commission's examination but has not been informed of the result as also the candidate who intends to appear at such a qualifying examination will not be eligible to apply for admission to the Commission's examination.

7. All candidates in Government service, whether in a permanent or in temporary capacity or as work-charged employees other than casual or daily rated employees, or those serving under Public Enterprises, will be required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for this examination.

Candidates should note that in case a communication is received from their employer by the Commission withholding permission to the candidates applying for appearing at the examination, their application shall be rejected/candidature shall be cancelled.

8. The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

9. No candidate will be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

10. Candidates must pay the fee prescribed in para 11 of the Commission's Notice.

11. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of:—

- (i) Obtaining support for his candidature by any means, or;
- (ii) Impersonating or;
- (iii) Procuring impersonation by any person, or;
- (iv) Submitting fabricated documents or documents which has been tampered with, or;
- (v) Making statements which are incorrect or false or suppressing material information, or;
- (vi) Resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination, or;
- (vii) Using unfair means, during the examination, or;
- (viii) Writing irrelevant matter, including obscene language or pornographic matter, in the script(s), or;
- (ix) Misbehaving in any other manner in the examination hall, or;
- (x) Harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examination, or;
- (xi) Taking away the question booklet/answer sheet/short-hand script from the examination hall or passing it on to unauthorised person/persons during the conduct of the Examination, or;
- (xii) Violating any of the instructions issued to candidates alongwith their Admission Certificates permitting them to take the examination, or;
- (xiii) Attempting to commit or as the case may be, abetting the commission or all or any of the acts specified in the foregoing clause;

May, in addition to, rendering himself liable to criminal prosecution be liable:—

- (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate; or
- (b) to be debarred either permanently or for a specified period;

- (i) by the Commission from any examination or selection held by them;
- (ii) by the Central Government from any employment under them; and
- (c) if he is already in service under Government to disciplinary action under the appropriate rules.

Provided that no penalty under this rule shall be imposed except after:—

- (i) giving the candidate an opportunity of making such representation in writing as he may wish to make in that behalf, and
- (ii) taking the representation, if any, submitted by the candidate within the period allowed to him into consideration.

12. After the examination, the Commission will draw separate merit lists for Hindi Stenographers and English Stenographers as disclosed by the aggregate marks of the candidate in the written test and in the shorthand test, and in that Order so many candidates as found qualified by the Commission shall be recommended for inclusion in the Select List for Hindi and English Stenographers upto the number of unreserved vacancies decided to be filled or the result of the Examination.

Provided further that the candidate belonging to any of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes, may to be extent of the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes, be recommended by the Commission by a relaxed standard, subject to the fitness of these candidates for selection to the Service.

Provided further that the candidate belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes who have been recommended by the Commission without resorting to the relaxed standard referred to in this sub-rule, shall not be adjusted against the vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes.

Having regard to their rank in order of merit, consideration may be given as far as feasible to their preference at the time of declaration of the final results of the examination.

Candidates who satisfy the minimum qualifying standard in the dictation at 120 words per minute will rank above the candidates who obtain the minimum qualifying standard in the dictation at 100 words per minute, persons in each group being arranged inter se in order of merit as disclosed by the aggregate marks awarded to each candidate.

13. The form and manner of Communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

14. Success in the examination confers no right to appointment unless Government are satisfied after such enquiry as may be considered necessary to his character and antecedents is suitable in all respects for the appointment to the service/post.

15. No person:—

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- (b) who having a spouse living entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to Service.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing exempt any person from the operation of this rule.

16. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient discharge of his duties as an officer of the Ser-

vice. A candidate who after such medical examination as may be prescribed by the competent authority is found not to satisfy these requirements, will not be appointed. Only such candidates as are likely to be considered for appointment will be medically examined.

Note :—In the case of disabled ex-Defence Service personnel, a certificate of fitness granted by the Demobilisation Medical Board of the Defence Services will not be considered adequate for the purpose of appointment.

17. Brief particulars relating to the Service/posts to which recruitment is being made through this examination, are given in Appendix II.

KARTAR SINGH, Under Secy

APPENDIX I

1. The subjects of the examination, the time allowed and the maximum marks for each subject will be as follows :—

PART A—WRITTEN TEST

Paper No.	Subject	Max. Marks.	Duration
Paper I	General Test		
	(a) General English	200	2 Hours
	(b) General knowledge (Objective Type)		
Paper II	Essay	100	2 Hours

PART B SHORTHAND TESTS IN HINDI OR IN ENGLISH FOR THOSE WHO QUALIFY AT THE WRITTEN TEST

300 Marks

NOTE I Paper II of written examination shall be evaluated of only those candidates who attain a minimum qualifying standard in Paper—I as may be fixed at the discretion of the Commission.

NOTE II Candidates will be required to transcribe their shorthand notes on typewriters, and for this purpose they will be required to bring their own typewriters with them.

NOTE III The papers in General English and General Knowledge will consist of Objective Type questions

3. The syllabus for the Written Tests and the scheme of the shorthand Tests will be as shown in the Schedule to this Appendix.

4. Candidates are allowed the option to answer paper II 'Essay' either in Hindi (Devnagari) or in English. The option will apply to complete paper and not to a part thereof.

Candidates exercising the option to answer the Essay paper in Hindi (Devnagari) may, if they so desire give English version within brackets of the description of the technical terms, if any, in addition to the Hindi version.

Candidates who opt to answer the aforesaid papers in Hindi (Devnagari) will be required to take the shorthand tests also in Hindi (Devnagari) only and candidates who opt to answer the aforesaid paper in English will be required to take the Shorthand Tests also in English only

Question papers in Essay and General Knowledge will be set both in Hindi and in English.

Note I Candidates desirous of exercising the option to answer Paper II Essay of the Written Test and take shorthand Test in Hindi (Devnagari), should indicate their intention to do so in Col. 9 of the application form. Otherwise, it will be assumed that they will take the Written Test and Shorthand tests in English.

The Option once exercised shall be treated as final, no request for alteration in the said column shall be entertained.

If a medium other than the one indicated by the candidate in the application form is used in the examination, the paper of such candidates will not be valued.

NOTE 2 Candidates who opt to take the shorthand test in Hindi will be required to learn English Stenography and Vice Versa, after their appointment.

NOTE 3 A candidate wishing to take the examination at an Indian Mission abroad may be required to appear at his own expense for the Stenography Tests at any Indian Mission Abroad where necessary arrangements for holding such tests are available.

5. Part (a) of Paper-I of the Written Test will be set in English only. Part (b) of Paper-I will be printed in Bilingual form.

6. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances, will they be allowed the help of a scribe to write down answers for them.

7. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all subjects of the examination.

8. Only those candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written test, as may be fixed by the Commission in their discretion, will be called for shorthand test.

9. Marks will not be allowed for mere superficial knowledge.

10. Deduction upto 5 per cent of the maximum marks for the written subjects will be made for illegible handwriting.

11. Credit will be given for orderly, effective and exact expression combined with due economy of words in the paper on Essay for the examination.

12. Candidates should use only International form of Indian numerals (e.g. 1, 2, 3, 4, 5, 6 etc.) while answering question papers.

SCHEDULE

PART—A

STANDARD AND SYLLABUS OF THE WRITTEN TEST

NOTE : The standard of the question papers in part A will be approximately that of the Matriculation examination of an Indian University.

GENERAL ENGLISH : The papers will be designed to test the candidates knowledge of English Grammar and Composition and generally their power to understand and ability to write correct English. The paper may include questions on correct use of words easy idioms and preposition, direct and indirect speech etc.

ESSAY : Candidates will be required to write essay on two topics. A choice of subjects will be given. They will be expected to keep closely to the subject of the essay to arrange their ideas in orderly fashion and to write concisely. Credit will be given for effective and exact expression

GENERAL KNOWLEDGE : Some knowledge of the Constitution of India. Five Year Plans, Indian History and Culture, General and Economic Geography of India, current events every day science and such matters of everyday, observation as may be expected of an educated person. Candidates' answers are expected to show their intelligent understanding of the questions and not detailed knowledge of any text book.

PART—B

SCHEME OF SHORTHAND TEST

The Shorthand Tests in English will comprise two dictation tests one at 120 words per minute for seven minutes and another at 100 words per minute for ten minutes which the candidates will be required to transcribe in 15 to 20 minutes respectively.

The Shorthand tests in Hindi will comprise two dictation tests one at 120 words per minute for seven minutes and another at 100 words per minutes for 10 minutes which the candidates will be required to transcribe in 60 and 65 minutes respectively.

APPENDIX -II

BRIEF PARTICULARS RELATING TO THE SERVICES POSTS TO WHICH RECRUITMENT IS BEING MADE THROUGH THIS EXAMINATION

THE CENTRAL SECRETARIAT STENOGRAPHERS' SERVICE

The Central Secretariat Stenographers' Service has at present the following grades:—

Private Secretary Grade : Rs. 3000-100-3500-EB-125-4500

Grade 'A' and 'B' (merged) Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500.

Grade 'C' Rs. 1640-60-2600-EB-75-2900.

Grade 'D' Rs. 1200-30-1560-EB-40-2040.

(2) Persons recruited to Grade 'C' of the Service will be on probation for a period of two years. During this period they may be required to undergo such training to pass such examination as may be prescribed by Government.

(3) On the conclusion of the period of probation Government may confirm the persons concerned in his appointment or if his work or conduct in the opinion of Government has been unsatisfactory he may either be discharged from the service or his period of probation may be extended for such further period as Govt. may think fit.

(4) Persons recruited to Grade 'C' of the Service will be posted to one of the Ministries or Office participating in the Central Stenographers' Service Scheme. They may, however at any time be transferred to any other such Ministry or Office.

(5) Persons recruited to Grade 'C' of the Service will be eligible for promotion to the next higher grade in accordance with the rules in force from time to time in this behalf.

(6) Persons recruited to Grade 'C' of the Service in pursuance of their option for that service will not after such appointment have any claim for transfer or appointment to any post included in the Cadre of the Indian Foreign Service (B) or the Railway Board Secretariat Stenographers' Service Scheme.

B. THE RAILWAY BOARD SECRETARIAT STENOGRAPHERS' SERVICE

The Railway Board Secretariat Stenographers' Service has at present the following grades :—

Grades 'A' & 'B' (Merged) : Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500.

Grade 'C' Rs. 1640-60-2600-EB-75-2900.

Grade 'D' Rs. 1200-30-1560-EB-40-2040.

(ii) Persons recruited to Grade 'C' of the Service will be on probation for a period of two years. During this period they may be required to undergo such training and to pass such examination as may be prescribed by Government. On the conclusion of the period of probation if it is found that the work or conduct in the opinion of the Government of any of them has been unsatisfactory he may either be discharged from the service or his period of probation may be extended for such further period as Government may think fit.

(iii) Persons recruited to Grade 'C' of the Service will be eligible for promotion to the higher grade in accordance with the rules in force from time to time in this behalf.

(b) The Railway Board Secretariat Stenographer's Service is confined to the Ministry of Railways and staff are not liable to transfer to other Ministries as in the case of the Central Secretariat Stenographers' Service.

(c) Officers of the Railway Board's Stenographers' Service recruited under these rules :

(i) will be eligible for pensionary benefits; and

(ii) shall subscribe to the non-contributory State Railway Provident Fund under the rules of that fund as are applicable to Railway Servants appointed on the date they join service;

(d) The candidate appointed to the Railway Board Secretariat Stenographers' Service will be entitled to the Privilege of Passes and Privilege Ticket Orders in accordance with the orders issued by the Railway Board from time to time.

(e) As regards leave and other condition of service, staff included in the Railway Board Secretariat Stenographers' Service are treated in the same way as other Railway Staff but in the matter of medical facilities they will be governed by the rules applicable to other Central Government employees with Headquarters at New Delhi.

INDIAN FOREIGN SERVICE (B)—GRADE II OF THE STENOGRAPHERS' CADRE.

The Stenographers cadre of the IFS (B) has at present the following grades :

Selection Grade & Grade I (Merged) Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500.

Grade II Rs. 1640-60-2600-EB-75-2900.

Grade III Rs. 1200-30-1560-EB-40-2040.

The constitution of a new grade in Steno Cadre in the scale of Rs. 3000-100-3500-EB-125-4500 is under process.

2. Persons recruited to Grade II of the Service will be on probation for a period of two years. During this period they may be required to undergo such training and to pass such examination as may be prescribed by the Government. On the conclusion of the period of probation if it is found that the work of the conduct of any of them in the opinion of the Government has been unsatisfactory he may either be discharged from service or his period of probation may be extended for such further period as Government may think fit.

3. The Officers appointed to Grade II of the SSC of the I.F.S. (Branch B) will be governed by the I.F.S. Branch 'B' (RCSP) Rules, 1964, I.F.S. (PLCA) Rules, 1961 as made applicable to IFS 'B' officers and such other rules and orders as may be made applicable to them by the Government of India.

4. The Indian Foreign Service Branch (B) is confined to the Ministry of External Affairs and Indian Mission abroad. The officers appointed to this service are normally not liable to transfer to other Ministries except the Ministry of Commerce. They are however, liable to be posted abroad against the posts borne on the strength of other Ministries and also liable to be posted to International Commissions etc. They are liable to serve anywhere in India or outside India, including non-family station.

5. During Service abroad IFS(B) officers are granted foreign allowance in addition to their basic pay at rates which may be sanctioned from time to time, depending upon the cost of living etc. of the countries concerned. In addition, the following concessions are also admissible during service abroad in accordance with the FS (PLCA) Rules, 1961 as made applicable to IFS (B) Officer.

(i) Free furnished accommodation according to the scale prescribe by the Government

(ii) Medical Attendance Facilities under the assisted Medical Attendance Scheme.

(iii) Annual return air passage for children upto a maximum of two children between the age of 6 and 22 studying in India or one child studying in India and one child in a country other than the country of the officer's posting abroad subject to certain conditions. If a Government servant has more than two children between the ages of 6 and 22 study-

ing in India, he shall have the option to send his wife to India during the vacation in lieu of two children visiting their parents abroad. In such case the wife of the Government servant shall be entitled to return air passage by the cheapest class available.

(iv) An allowance for the education of children upto a maximum of two children the age of 5 and 18 at rates prescribed by Government from time to time.

(v) Outfit allowance in connection with services abroad in accordance with the prescribed rules and at rates fixed by Government from time to time.

(vi) Home leave passage for officers and their families in accordance with the prescribed rules.

6. Central Civil Service (Leave) Rules 1972 as amended from time to time will apply to members of the service subject to certain modifications. For service abroad officers are entitled to an additional credit of Leave to extend of 50 per cent of leave admissible under the Central Civil Services (Leave) Rules, 1972.

7. While in India, Officers are entitled to such concessions as are admissible to other Central Government Servants of equal and similar status.

8. Officers of the L.F.S. (B) are governed by the Central Provident Fund (Central Services) Rules, 1960 as amended from time to time and by orders issued thereunder.

9. Officers appointed to this service are governed by the Central Civil Services (Pension) Rules, 1972, as amended from time to time and by orders issued thereunder.

D. ARMED FORCES HEADQUARTERS STENOGRAPHERS' SERVICE.

The AFHQ Stenographers' Service has at present the following grades :—

Grade 'A' and 'B' (Merged) Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500.

Grade 'C' Rs. 1640-60-2600-EB-75-2900.

Grade 'D' Rs. 1200-30-1560-EB-40-2040.

2. Persons recruited direct as temporary Stenographers' Grade 'C' (Personal Assistant) will be on probation for a period of 2 years. Unsatisfactory record of service during this period may result in discharge of the probationer from service. During probation, a member of the service may be required to undergo such training and to pass such tests as the Government may from time to time prescribed.

3. Stenographers' Grade 'C' recruited to AFHQ Stenographers' Service will be generally posted to any office of the AFHQ and Inter Service Organisations located in Delhi/New Delhi. They will also be liable to be posted to such other stations outside Delhi/New Delhi, where office of AFHQ organisation may be located.

4. Stenographers' Grade 'C' will be eligible for promotion to the post of Stenographers' Grade B (Senior Personal Assistant) and Stenographers' Grade B (S.P. As) will be eligible for promotion to Stenographers' Grade A (Private Secretary) in accordance with the rules in force from time to time.

5. Leave, Medical aid and other condition of service are the same as applicable to other ministerial staff employed in Armed Forces Headquarters and Inter Service Organisation.

ANNEXURE-I

UNDERTAKING TO BE GIVEN BY THE CANDIDATE

I understand that, if selected on the basis of the recruitment/examination to which this application relates my appointment will be subject to my producing documentary evidence to the satisfaction of the appointing authority that I have been duly released/retired/discharged from the Armed Forces and that I am entitled to the benefits admissible to ex-servicemen in terms of the Ex-servicemen/Re-employment in Central Civil Services and Posts Rules 1979 as amended from time to time.

Signature of candidate

Place :

Date :

ANNEXURE II

FORM OF CERTIFICATE FOR SERVING PERSONNEL, PLEASE SEE NOTE II BELOW RULE PARA 5(vi)

I hereby certify that according to the information available with me (No.) _____ Rank _____ (Name) _____ is due to complete the specified term of his engagement with the Armed Forces on the (date) _____.

Signature of Commanding Officer
Office Seal

Place :

Date